समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 24 September 2026

# सचिन तेदुंलकर और राहुल द्रविड़ ने 8 नवंबर को बनाया रिकॉर्ड, जिसे आज भी तोड़ना मुश्किल

Publisher

Published on 08 Nov 2025

क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले **सचिन तेदुंलकर** और भारतीय क्रिकेट की 'दीवार' **राहुल द्रविड़** ने 8 नवंबर 1999 को ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जो आज भी वनडे क्रिकेट की टॉप-3 पार्टनरशिप्स में शामिल है। करीब 24 साल तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में चमकने वाले सचिन ने अपने करियर में कई रिकॉर्ड बनाए, लेकिन कुछ रिकॉर्ड ऐसे हैं, जिन्हें आज भी तोड़ना किसी भी बल्लेबाज के लिए चुनौतीपूर्ण माना जाता है।

8 नवंबर 1999 को हैदराबाद में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शुरूआत में ही अपने स्टार बल्लेबाज **सौरव गांगुली** को 4 रन पर खो दिया। लेकिन इसके बाद मैदान पर उतरकर **सचिन तेदुंलकर और राहुल द्रविड़** ने इतिहास रच दिया। इस जोड़ी ने **दूसरे विकेट के लिए 278 गेदं मे 331 रन की धुआंधार साझेदारी** कर दी।

यह साझेदारी न केवल भारत के लिए बल्कि उस समय दुनिया के किसी भी टीम के लिए वनडे क्रिकेट में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी थी। सचिन और द्रविड़ की यह अनोखी तालमेल और बल्लेबाजी की समझ दर्शाती है कि कैसे दोनों खिलाड़ी मैच का रुख बदल सकते थे। उनके बीच का संयोजन और स्ट्राइक रोटेशन, दबाव में भी बिना घबराए बल्लेबाजी करना, और हर गेंद पर रणनीतिक सोच ने उन्हें इस रिकॉर्ड तक पहुंचाया।

इस रिकॉर्ड की खासियत यह है कि यह केवल रन की संख्या का आंकड़ा नहीं बल्कि उस दौर की बल्लेबाजी शैली, समझदारी और मानसिक शक्ति का परिचायक भी है। सचिन और द्रविड़ की यह पार्टनरशिप आज भी खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। इस दौरान दोनों बल्लेबाजों ने अपने खेल और धैर्य का ऐसा प्रदर्शन किया कि विपक्षी टीम न्यूजीलैंड का कोई भी गेंदबाज उन्हें रोक नहीं सका।

सचिन और द्रविड़ की साझेदारी ने भारतीय टीम को उस मैच में मजबूत स्थिति में रखा और अंततः भारत ने यह मुकाबला जीतकर

अपने प्रदर्शन को और शानदार बना दिया। यह रिकॉर्ड आज भी वनडे क्रिकेट की इतिहासिक उपलब्धियों में शुमार है। इस जोड़ी ने यह साबित कर दिया कि सही रणनीति, समझदारी और टीमवर्क से मैच का परिणाम बदल सकता है।

सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ ने न केवल अपनी व्यक्तिगत प्रतिभा दिखाई, बल्कि यह भी दिखाया कि टीम के लिए संतुलित और संयमित बल्लेबाजी कितनी महत्वपूर्ण होती है। उनके इस रिकॉर्ड ने आने वाली पीढ़ियों के खिलाड़ियों के लिए एक उच्च मानक स्थापित किया।

आज, 26 साल बाद भी यह रिकॉर्ड क्रिकेट जगत में मिसाल के तौर पर देखा जाता है। कई महान बल्लेबाजों ने इसे तोड़ने की कोशिश की, लेकिन सचिन और द्रविड़ के सामंजस्य और खेल के ज्ञान की तुलना करना मुश्किल रहा। इस वजह से यह पार्टनरशिप आज भी वनडे क्रिकेट के इतिहास में अमिट छाप छोड़ चुकी है।

सचिन और द्रविड़ की यह साझेदारी भारतीय क्रिकेट की विरासत में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। यह केवल एक मैच का रिकॉर्ड नहीं बल्कि भारतीय क्रिकेट की रणनीति, संयम और उत्कृष्ट खेल का प्रतीक बन गई है।

क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह दिन हमेशा खास रहेगा। 8 नवंबर को बनाए गए सचिन और द्रविड़ के **331 रन की साझेदारी** ने उन्हें भारतीय क्रिकेट इतिहास में अमर कर दिया और यह रिकॉर्ड आने वाले समय में भी खिलाड़ियों और फैंस के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बना रहेगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.